



[https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN\\_HI/intro](https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro)

## बेहसेट्स रोग

के संस्करण 2016

### 3. दैनिकि दनिचर्या

#### 3.1 यह रोग बच्चे और उसके परिवार के दैनिकि जीवन को कैसे प्रभावति कर सकता है ?

किसी भी अन्य जीर्ण बीमारी की तरह बी.डी. बच्चों और उनके परिवार के दैनिकि जीवन को प्रभावति करता है। आम तौर पर रोग हलका हो तो आँख और प्रमुख अंग लपित नहीं होते हैं, बच्चे और उनका परिवार सामान्य जीवन व्यतीत कर सकते हैं। सबसे आम समस्या बारबार होने वाले मौखिक अल्सर है जो कई बच्चों के लिए कस्टप्रद होती है। यह घाव दर्दनाक हो सकती है और खाने और पीने में दखल दे सकती है। आँखों की भागीदारी भी परिवार के लिए गंभीर हो सकती है।

#### 3.2 स्कूल के बारे में क्या ?

जनि बच्चों में स्थाई रोग होता है उन्हें अपनी शिक्षा को जारी रखना चाहिए। जब तक बी.डी. से आँखों और अन्य प्रमुख अंग प्रभावति नहीं होते हैं तब तक बच्चों को नियमति रूप से स्कूल में शामिल होना चाहिए। दृश्य हनी में विशेष शैक्षिक कार्यक्रम की आवश्यकता होती है।

#### 3.3 खेल क बारे में ?

जनि बच्चे में केवल त्वचा एवं म्युकोसा लपित है, वे सामन्य खेलकूद गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। जोड़ो के सुजन के दौरान खेलों से बचना चाहिए। बी.डी. में गठिया अल्पकालिक और पुनः पूरी तरह से ठीक हो जाता है। मरीज पुनः खेल खेलना शुरू कर सकता है जब सुजन पूरी तरह से खत्म हो जाती है। हालाकि बच्चों में पाव की संवहनी की समस्या हो तो उन्हें लम्बे समय तक खड़े रहने से बचना चाहिए।

#### 3.4 आहार के बारे में ?

भोजन के सेवन पर कोई प्रतबिन्ध नहीं होता है। सामान्य तौर पर बच्चों को उनकी उमर के हिसाब से सामन्य व संतुलति भोजन करना चाहिए। बढ़ते हुए बच्चों के लिए संतुलति और

---

स्वस्थ आहार में पर्याप्त प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन से भरपूर होना चाहिए।  
कर्तकोस्तेरोइड लेने वाले बच्चों को भूख ज्यादा लगती है कन्तिु इन्हें अधिक खान – पान से  
बचना चाहिए।

**3.5 क्या जलवायु से यह बीमारी प्रभावित हो सकती है।**  
नहीं, जलवायु से बी.डी. की अभव्यक्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

**3.6 क्या इन बच्चों का टीकाकरण किया जा सकता है ?**  
चकित्सक ही फैसला करता है की बच्चे को कोनसा टीका लगा सकते है। इम्युनोसप्रेसिवि  
दावा (साइक्लोस्पोरनि ए, साइक्लोफोस्फमाइड, एंटी-टी.एन.एफ. इत्यादि), से ईलाज लेने  
वाले बच्चों को नमिनलखिति टीकाकरण (एंटी रूबेला, एंटी मसिल्स, एंटी मम्प्स, एंटी  
पोलियो सबनि) ईलाज के कुछ समय पश्चात दिया जाता है। यह इसलए क्योकि इनमे  
जीवति वायरस होते है।  
वह टकिे जनिमे जीवति वायरस नहीं है जैसे (एंटी टटिनेस, एंटी डफिथेरिया, एंटी पोलआ  
साल्क, एंटी हेपेटाईटस बी. एंटी परटूसीस, न्युमोकोकस, हेमोफलिस, मेनगिोकाकास,  
इन्फ्लुएंजा), इन बच्चो को दिए जा सकते है।

**3.7 यौन जीवन, गर्भावास्ता, और जन्म नियंत्रण के बारे में ?**  
लैगि अल्सर का वकिसति होना यौन जीवन को प्रभावित कर सकता है। इन अल्सर में दर्द  
होने से सम्भोग में बाधा आ सकती है। बी.डी. वाली महिलाओं में यह रोग हल्के रूप में होता है  
और उनको सामान्य गर्भावस्था का अनुभव होना चाहिए। इम्युनोसप्रेसिवि दवाओं का  
उपयोग चलते समय जन्म नियंत्रण साधन पर ध्यान रखना आवश्यक है। मरीज को  
गर्भावस्था और जन्म नियंत्रण के समय चकित्सक की सलाह जरुर लेना चाहिए।